HR14-1-3-HI

विज्ञान जानता है कि संसार की शुरुवात है भाग 3

आज द जॉन एंकरबर्ग शो में, आधुनिक विज्ञान खोज निकलता है कि संसार की एक शुरवात है, इस खोज को किस तरह उपयोग कर सकते हैं? ये वचन कि आदि में परमेश्वर ने आकश और पृथ्वी की सृष्टि की, वो वही बताता है जो विज्ञान ने खोज निकाला है, एस्ट्रोनॉमर जोर्ज स्मूथ, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोर्निया ने घोषित किया है, हमने जो पाया है वो पृथ्वी के जन्म का सबूत है/ इन्होंने कहा कि ये परमेश्वर की ओर देखना है/

एम्पल पंजी जिन्हें फिजिक्स में नोबल प्रोइस मिला हैं कोस्मिक बैकग्राउंड रेदिएष्ण की खोज के लिए, वो कहते हैं, एस्ट्रोनॉमी हमे अद्भुत घटना की ओर लेकर जाती है, ये संसार जो शून्य में से बनाया है/ एक बहुत ही बेचिदा बाउंस जरुर थी कि सही परिस्थिति बन सके, कि जीवन को ने दे, और शायद कोइ ये ने दबा था, या कहे आलौकिक योजना/

एस्त्रोनोमार जोर्ज ग्रीन टाइन ने अपनी किताब सिम्बोलिक यूनिवर्स में कहा कि क्या ये संभव है कि अचानक बिना किसी मकसद से, हम वैज्ञानिक सबूतों पर लडखडा गयें, उस आलौकिक के अस्तित्व के बारे में,

और स्टीफन हॉकींग ने कहा है, "ये बताना तो बहुत ही मुश्किल है, कि संसार इस तरह से क्यों शुरू हुआ है ये तो केवल परमेश्वर का काम है जिसके हमारे जैसे मनुष्यों को इस तरह से बनाना चाहा."

आज मेरे मेहमान हैं एस्ट्रोम्नोमेर ह्यु रोस, जिन्होंने एस्त्रोनोमी में पि एच दी की हैं/ यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो से./ और पोस्ट डाक्टरल रिसर्च किया है, कैलटेक एक्वेज्र में/ ये बहुत सी किताबों के लेखक हैं, जिसमे इनकी नई किताब है, नैवेगेटिंग जेनिसेस/ हम न्यौता देते हैं कि हमारे साथ जुड़ जाएं/

***

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, आज आप के लिए महान प्रोग्राम है, हमारे साथ एस्ट्रोनॉमर डॉक्टर ह्यू रॉस हैं, जो वैज्ञानिक सबूतों के बारे में कहेगे, बाइबल के संबंध में, ये लोगों के लिए हमेशा अद्भुत है, हम आपको कुछ क्लिप्स दिखाएँगे, जो बहुत ही सुंदर है हमें बताता है कि आज विज्ञान क्या दिखाता है. और ह्यू मैं चाहता हूँ कि बुनियाद बताईये, बाइबल से, कि प्रभु ने उत्पत्ति अध्याय 1 दिया, बहुत से कारणों से/ जो मेरे लिए और ज्यादा चकित करनेवाला है/ जितना ज्यादा पढ़ू उतना ज्यादा देखता हूँ, कि प्रभु ने इसमें क्या रखा है, हमें सारांश बताईये, कि आप एक एस्ट्रोनोमर होने पर भी उत्पत्ति 1 में इसे देखकर चकित हो गए/

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, मैं तो शुरू के भाग से ही प्रभावित हुआ हूँ, आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की, ये हमें बताता है कि सारे तत्व, उर्जा, जगह और समय कि शुरुवात है, उसके कारण के लिए जो जगह और समय से बाहर का है, और उसने सबकुछ बनाया है/ याने यही पर हम देखते हैं कि परमेश्वर ही सारी पृथ्वी का सृष्टिकर्ता है/ और फिर दृष्टिकोण पृथ्वी की सतह पर आता है, परमेश्वर की आत्मा गहरे जल पर मंडरा रही थी, और हमें बताता

है कि सारी पृथ्वी पर जल भरा हुआ था/ और पानी की सतह पर अंधकार था/ और आज हम एस्ट्रोनोमर इस बात को जानते हैं कि सच में पृथ्वी की दशा इस तरह से थी/ जहाँ पर सारी पृथ्वी पर समुन्दर था/ और बहुत है मोटा अपारदर्शी बादल की परत थी, जिससे सूरज, चाँद और तारों की ज्योति नही आ सकती थी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और फिर पहले याने 1920, 30, 40 में उस समय एस्ट्रोनोमर ने इस बात पर विश्वास नही किया था.

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: जी सच है, 19 वी सदी का सामान्य दृष्टिकोण यही था कि संसार तो अनन्तकाल का है, जिसकी नई शुरवात है, और ये समय के साथ नही बदला है/ आज हम जानते हैं कि इसकी स्टिक शुरवात है/ और हम कह रहे हैं कि ये शुरुवात केवल कुछ लाखो साल पहले हुई थी/ करोड़ों साल पहले नही जैसे पहले लोग सोचते थे/ और इसके लिए जैसे कि इतिहास में डारविन के विचार जैसी बातों को देखते हैं/ और ये शीर्षक हम 6 दिनों में देखते हैं/ हाँ चीज़े बदल रही हैं, पहले दिन से 6 टे दिन तक, लेकिन परमेश्वर ही है जो ये बदलाब ला रहा है/ वो स्वाभाविक क्रिया को निश्चित करता है, लेकिन साथ ही वो आलौकिक रूप में हस्तक्षेप करता है/ कि अलग तरह का जीवन ओर तैयारी मनुष्यों के लिए करे/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और व्याकरण महत्वपूर्ण है, वचन 1 और 2, में और सृष्टि के दिन में यहाँ ये शब्द है बारा, प्रभु ने सृष्टि की, ठीक है, और ये अध्याय 1 में केवल तीन बार उपयोग किया गया है. प्रभु जब सुष्टि में शब्द कहता है तो अलग क्यों कहता है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: जी बारा शब्द का अनुवाद सृष्टि होता है, याने परमेश्वर कुछ अस्तित्व में ला रहा है, बिलकुल नया जो पहले अस्तित्व में नही था/ और पहली बार हम देखते हैं कि परमेश्वर ने संसार की सारी भौतिक चीजों को बनाया, ये शारीरिक सृष्टि है/ और सृष्टि के ५ वे दिन वो बिलकुल ने तरह के जीवन को बनाने के बारे में कहता है, जीवन तो शारीरिक था और शारीरिक और प्राण का भी था/ जो ऊँचे जानवर के बारे में बताता है/ और 6 टे दिन ये केवल एक और एक ही प्राणी के बारे में बताता है/ जो कि शरीर, प्राण और आत्मा है/ और बात तो ये है कि ये बड़े प्राणी तो परमेश्वर की और से श्रमता पाएं हैं/ कि ऊँचे व्यक्ति से संपर्क करे, खासकर हम, लेकिन हम में ये श्रमता दी गई है कि ऊँचे व्यक्ति से सम्पर्क करे, जो कि स्वयं परमेश्वर है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, जब हम सूरज, चाँद और तारे देखते हैं, जो चौथे दिन बने, प्रभु बारा शब्द नही कहता है, क्यों?

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: जी क्योंकि शारीरिक चीज़े तो पहले से ही अस्तित्व में थी, मतलब तारे ही उदाहरण के लिए देखिए, वो और दुसरे गैसिएश एलिमेंट, वो नया नही है वो हमेशा रहा है, जो परमेश्वर ने किया है तो केवल उसने उसे आकर देकर रूप दिया है/ कि तारे बनाए या सूरज से रौशनी निकले/ जैसे कि दुसरे ग्रह हैं, इसलिए यहाँ असा शब्द का उपयोग हुआ है/ कि बनाए, आकर दे, या रूप दे, पहले से अस्तित्व की चीज़ों को लेकर उससे बनाए, याने जो चाहे उसे वो आलौलिक रूप में बनाए/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी, और इस क्रम के बारे में, सूरज, चाँद और तारे, तो पहले से शुरू से अस्तित्व में थे, जब प्रभु ने आकाश और पृथ्वी को बनाया, अब दुसरे तारे भी बनते जा रहे हैं, लेकिन सच तो ये है कि जब हम सृष्टि के दिन से शुरू करते हैं, सूरज पहले से था.

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: सूरज अपनी जगह पर था, ग्रह अपनी जगह पर थे, और अब नया ये था कि अब सूरज की रौशनी वातावरण से आ रही थी, याने सृष्टि के पहले दिन से परमेश्वर ने हमारी सृष्टि को अपारदर्शी होने ये याने जिससे ज्योति नही आ सकती थी, उससे ज्योति आनेवाला बनाया/ और ये खासकर स्पष्ट बनाया है, अय्यूब 38 में, जहाँ पहले दिन का सन्दर्भ में, कि परमेश्वर ने बादलों को इतना घेरकर रखा है जिससे समुन्दर अंधकार थे/ याने यहाँ अय्यूब 38 में ये स्पष्ट बताता है कि जल की सतह पर अंधकार क्यों था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और हीब्रू व्याकरण वचन 1 और वचन 2 में बताता है कि समय बिता, ये हमें बताता है कि आकाश और पृथ्वी पहले से ही अपनी जगह पर थी, इसके पहले कि निचे जाकर पृथ्वी को देखे.

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: देखिए शब्द इस तरह से रखे गए हैं, जो हमें इस तरह बताते हैं, याने परमेश्वर ने इसे पहले बनाया और उसके बाद, वो पृथ्वी को बनाता है और उसके बाद, ज्योति जल की सतह पर आती है/ याने देखिए पहले से ही ये क्रम हो रहा था, उत्पत्ति 1:1 में 6 टे दिन तक आने से पहले ही/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अब परमेश्वर जो कम कर रहा था उसके बारे में, विज्ञान हमें उसके बारे में बहुत कुछ बता रहा है, ये बताता है कि सच में वो सहमत हैं, जैसे हम इसमें आगे बढ़ते हैं, लेकिन मैं दिखाना चाहता हूँ, कि कैसे यहाँ प्रभु हमारी पृथ्वी को ट्यून करता है, इस पहली क्लिप में जो दिखाएगे आपकी सुंदर डोक्युमेंट्रि मूवी से, जरनी टुवड्र्स क्रिएशन जो अब उपलब्ध है. इसका संबंध है, इस पृथ्वी के रोटेशन रेट से. क्लिप के बाद, आप से कुछ सवाल पूछूंगा, लेकिन दोस्तों इसे देखे कि प्रभु ने क्या बनाया है.

जरनी टुवर्ड क्रिएशन क्लिप से

चाँद और समय समय पर आनेवाले asteroid के बावजूद पृथ्वी के करीबी पडौसी हैं, ग्रह Mercury और Venus भीतर से हैं, और फिर पृथ्वी आती है, और बाहर से Mars है/ हमारे करीबी पडौसी Venus, Mercury जैसे है सूरज के बहुत है करीब है, कि सूरज कि गुरुत्वाकर्षण तो उनके चक्र पर प्रभाव डालता है/ Venus पृथ्वी के 244 दिन लेता है, कि केवल एक ही चक्कर कांटे/

आज हमारा ग्रह तो चार गुना धीमा घूमता है, उससे जब पहली रौशनी आई थी, वैज्ञानिक ये बात बताते हैं, कि पृथ्वी का तेज़ी से घूमना तो जीवन के लिए बहुत ही विनाशकारी हो सकता था,

चाँद के जैसे है Mercury पर भी थोडा ही वातावरण है, कोई इरेशन न होने के कारण, Mercury के पुराने भुगौलिक गुण ने पुराने चीजों के निशान रखे हुए हैं, Asteroids या Comets से, Mercury का Medier Land Scar rate हमें बताता है कि शुरू का इतिहास इन ग्रहों पर कैसा था/ ये समय था बहुत ही Asteroids या Comets की बमबारी का/ ये भरी बमबारी केवल Mercury पर ही नही हुई, पर साथ ही Venus, Mars और चाँद पर भी हुई/

इसी तरह पहले से भी हुई पृथ्वी भी इस भरी बमबारी से नही बची/ ये इस लिए हुआ क्योंकि पृथ्वी का आकार बहुत ही बड़ा था/ इस भरी बमबारी के कारण वतावरण बहुत ही गर्म हो गया, इतना गर्भ था कि सब को भांप बना दे, और सब पिघला दे/ इस कारण उस समय ज्योति के अस्तित्व के लिए कोई संभावना नही थी/

कई दशको तक वैज्ञानिक यही मानते थे, कि पृथ्वी का जीवन का बहुत से Non-Living Molecules जिसे Pre-Biotic Soup कहते हैं उससे होता है/ इस क्रिया को कई करोड़ो साल लग जाते हैं/ लेकिन अब खोज ने बताया है, कि ये जल्दी होता है और कुछ मिलियन साल में, इस बड़ी भरी बमबारी के बाद, इसके साथ थी Pre-Biotic Soup के लिए कोई जगह नही थी/ और यदि कोई Pre-Biotic Soup होता तो हम उसके अवशेष देखते, प्राचीन कार्बन तत्व में/ जैसे के Karajan or Graphite, इसका यही अर्थ होता है कि सारा कार्बन का तत्व जो पृथ्वी पर और इस के भीतर है वो post-Biotec तत्व से होता है/ जिसे में स्थापित जीवन नाश हो जाता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू इस अद्भुत क्लिप में दो चीजों से मैं चकित हूँ, वो हैं एक तो पृथ्वी का रोटेशन अलग था, नही तो विनाश होता, नंबर दो, प्रायमॉड्यूल सूप नही था, पुरे हाय स्कुल में, सारे ग्रामर स्कुल में, बचपन में मुझे ये सिखाया गया, प्रायमॉड्यूल सूप और जीवन इवोलुशन के माध्यम से आया, और यहाँ आप खाली वाक्य से आते हैं , और एस्ट्रोनामर कहते हैं कि इसका कोई सबूत नही है, इन दोनों पॉइंट के बार में बताईये, पृथ्वी का रोटेशन और प्रायमॉड्यूल सूप के बारे में.

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, मैंने क्लिप में बताया था कि पृथ्वी भूतकाल में बहुत ही तेज़ी से घूम रही थी, तो ये bactria के लिए विनाशकारी नही था/ लेकिन ये हमारे लिए विनाशकारी है/ क्योकि ये कुछ बिलियन साल पहले जितनी रफ्तार से घुमती थी, इसका अर्थ था कि बहुत से तूफान आते थे, इसका अर्थ है

मनुष्य बहुत सिमित होते, कुछ ही जगह पर होते/ इस पृथ्वी पर, याने इस तरह से पुरे संसार में मनुष्य का रहना नही था/ अब हम जिन तूफानों का अनुभव कर रहे हैं उससे भी बहुत ज्यादा तूफान होते थे/ या यदि घूमी गती होती थी, तो इसका अर्थ है कि दिन के समय बहुत ज्यादा गर्मी होती थी/ इस समय से, और रात को बहुत ही ठंड होती थी/ और फिर जिस पर ध्यान देना चाहिए कि घुमने का जो कोण है याने साडे तेईस अंश/ ये बहुत ही सटीक है कि इस पृथ्वी को सही तरह से रखे/ जो पृथ्वी पर मनुष्य के रहने के लिए जरूरी है/ और चाँद का धन्यवाद जो हमें ये कोण स्थिर रखेने में मदत करता है/ दुसरे ग्रह इस तरह करते हैं/ लेकिन हमारा ग्रह इस तरह स्थिर रहता है/ लेकिन हमारा ग्रह इस कोण में मजबूती से स्थिर रहता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: दूसरी बता कि आपने कहा था कि कोई प्रीबायोटिक सोप नही थी, इसलिए टेक्स बुक क्यों बदल गई, क्योंकि ये दूर करता है, इवोल्यूशन माध्यम से जीबन बनाया जाता है.

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: खैर ये बहुत है हालही में हुई खोज है कि पृथ्वी की कभी Pre-Moduler Soup नही थी, जैसे मैंने इसे क्लिप में बताया है कि एक कारण से हम इसे जानते हैं, क्योंकि ये Iceotop signature के कारण हमारे शरीर में बहुत ज्यादा Carbon 12 तो Carbon 13 की तुलना में ज्यादा होता है, और भी दुसरे तत्व हैं जिसे हमने देखा है/ और हमने पाया है कि हमने कभी सबूत नही देखे और ना ही, जीवन के लिए Non-Organic Building Blocks देखे हैं/ हम ये भी जानते हैं कि क्यों, यदि वातावरण का oxygen शुरू की पृथ्वी में किसी तरह से pre biotic Chemistry को रोक सकता था/ लेकिन यदि पृथ्वी के वातावरण में कोई oxygen नही होता/ और ozon नही होता तो सूरज से आनेवाले ultra voilet किरणों को कोई रोक नही सकता था/ ultra voilet radiation भी pre biotic Chemistry के लिए बहुत भी विनाशकारी होते है/ याने ये दो अलग अलग का अर्थ है/ कि हम जानते हैं कि पृथ्वी का कभी pre Module soup नही था/ और यदि असली जीवन सूप के बिना हुआ है, और किसी खास समय में नही हुआ तो जीवन की शुरुवात के लिए कोई संभव बात नही है/ तो ये अवश्य है आलौकिक घटना होगी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: याने प्रभु ने मनुष्य को बनाया लेकिन इसे स्वीकार करने के साथ ही हमें देखना होगा कि जीवन एक और जगह से आए, तो उन्होंने सच में स्वर्ग कि ओर देखना शुरू किया, दुसरे ग्रहों पर, इसलिए खबरों में हम इसे देखते हैं, क्या ये सही है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: जी ये सही है, यदि हम परमेश्वर पर विश्वास न करे, तो हम पृथ्वी पर परमेश्वर के बिना काम नही कर सकते हैं/ तो हम कहते हैं कि ये और कही किसी जगह और समय पर हुआ है/ और इसे परमेश्वर ने पृथ्वी पर लाया है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ठीक है हमारे पास एक क्लिप है जो ये बताएगी, मैं चाहता हूँ कि इसे देखे.

जरनी टुवर्ड क्रिएशन क्लिप से

कितना ज्यादा समय दिया गया और pre-biotic soup की कमी के कारण, अब कुछ वैज्ञानिक स्वर्ग की और देखते हैं, जीवन की शुरुवात की सम्स्य के जवाब के लिए/ वो उपर देखते हैं आलौकिक कारण के लिए नही, लेकिन दुसरे स्रोतों की खोज करने के लिए भी/ जिसमे जीवन के बीज को जमा कर सके/ शुरू की उस पृथ्वी में/ हो सकता है कि जीवन हमारे पडौसी ग्रहों में शुरू हुआ होगा, और फिर वो पृथ्वी पर लाया गया है/ अब बहुत से वैज्ञानिक दुसरे ग्रहों को देख रहे हैं/ कि इस विचार के लिए सपोर्ट पा सके/

लेकिन हमारे पास के ग्रहों की छोटी सी भी ज्योति हो, तो वो ज्योति कहाँ से आई है? हम किस तरह निश्चित हो सकते हैं कि पास के किसी ग्रह में कोई ज्योति कैसे हो सकती है/ जो कि सच में पृथ्वी पर जीवन की भरपूरी का कोई दूषित रूप न हो? पृथ्वी तो जीवन से बढती जा रही थी, केवल कुछ समय के बाद ही हमने Mars पर इसके कुछ अवशेषों को देखा, और बहुत से वैज्ञानिक इस बात का दावा करते हैं, कि ये सत्य का इनकार नही कर सकते हैं कि जीवन इस प्राकृतिक क्रिया से ही शुरू हुआ है/

लेकिन सरल परीक्षा को अभी भी है, जो ये साबित करे कि ये organisum पृथ्वी से आएं हैं/ सारे dna में एक निश्चित बेचिदा स्वभाव गुण होते हैं/ जिससे उसका ढांचा बना होता है/ और उससे बनाने वाले हर चीजो पर उसका गुना भी डाला जाता है/ यदि mars पर पाए गए अवशेषों के dna में जो गुण पाए गए हैं, वो पृथ्वी पर पाए गए जीवन के dna से मिलते हैं, तो इससे केवल यही बात मानी जाएगी कि mars की चीज़े तो किसी तरह से पृथ्वी पर से आई होगी/ जिस तरह से asteroids और comets, mars से टकराते हैं, और वहां की चट्टानों को पृथ्वी पर भेजते हैं/ इसी तरह से पृथ्वी के collision घटनाएँ भी पृथ्वी की चट्टानों को mars पर भेजती हैं/ और बाकी सोलर सिस्टम पर भी/

जब कि mars पृथ्वी के जीवन के अवशेषों को पाने के लिए सबसे बड़ा घटक है, लेकिन फिर भी ये वातावरण तो रहने के योग्य नही है, mars तो इतना सुखा हुआ है और इसका वातावरण इतना पतला है, और इसका गुरुत्वाकर्षण इतना कमजोर है, कि एक बूंद पानी एक सेकण्ड से भी कम समय में भांप बन जाता है/ Mars की इस सतह पर/ rediation, और दुसरे तूफान, चक्र में घुमने में अस्थिरता, और जमानेवाला वातावरण जो अन्टार्टिक की सर्दियों से भी कम होता है, जिससे जीवन वहां पर नही हो सकता है/ कम से कम ज्यादा समय नही/ बिलयन साल पहले Mars का गर्म और अच्छा वातावरण था/ जिसके कारण वैज्ञानिक अनुमान लगते हैं कि वहां जीवन होगा/ कुछ भी हो लेकिन Mars का chemicial वातावरण तो पृथ्वी से भी बहुत कठोर है/ जो जीवन के लिए स्भावाविक बात को असंभव बनाती है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: अब ह्यू, इस क्लिप में ये दिलचस्प बात बताती है, जब भी मैं न्यूज़ में देखता हूँ, तो लगता है कि वैज्ञानिक कह रहे हैं, मुझे लगता है कि हमें कुछ पानी मिल गया है, मंगल पर हमें कुछ पानी मिला है, इस ग्रह पर, उस ग्रह पर/ और संसार में इतने ग्रह हैं जिन पर शायद पानी हो, विचार तो ये है कि शायद पानी मिल भी जाएँ तो कैसे वहां जीवन होगा, और वहां से वो पृथ्वी पर कैसे आएगा, लेकिन आप तो कहते हैं कि अब तो कईबार पानी तो देखते हैं, जब कि पानी बहुत जरूरी है, इस संसार में, लेकिन हमें जीने के लिए पानी से बढकर चाहिए.

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: जी सच है, पानी जीवन के लिए जरूरी है, लेकिन जीवन के लिए केवल इसी की जरूरत नही है/ और मैं NASA के साथ सहमत हूँ, जिन्होंने पाया है कि इस गैलेक्सी में 10 बिलियन ग्रह हैं जिन में तरल पानी की संभावना है/ लेकिन 800 से भी ज्यादा चीज़े होनी चाहिए जिससे जीवन पृथ्वी पर सम्भव होता है/ और सच में हमें अभी ऐसे ग्रह मील रहे हैं, हम जानते है कि उस पर तरह पानी है/ लेकिन वो तो उससे भी ज्यादा तरल है, आप जिस पानी की बात कर रहे हैं वो संसार में सबसे ज्यादा जरूरी Molicule है, और ये पृथ्वी के जैसे ग्रह जिनकी हम खोज कर रहे हैं, उन में तो पृथ्वी की तुलना में 500 से 1000 गुना ज्यादा पानी है/ इसका अर्थ है कि वहां कोई भरोसा नही होगा, और सारी जगह पर केवल पानी होगा,और जीवन की कोई संभावना नही होगी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: विज्ञान हमें बता रहा है कि प्रभु ने इस संसार को बनाया और इसे अच्छे से ट्यून किया है और हमारी पृथ्वी और गैलेक्सी को अद्भुत बनाया है,, अगले हफ्ते हम सूरज, चाँद और तारों के बारे में चर्चा करेगे, प्रभु ने इसे किया है और ये सब, लेकिन चलिए बुनियाद में चलते हैं, हमने इतने गुण बताएं और ये विचार बताया कि विज्ञान कह रहा है, कि यहाँ कुछ हो रहा है, यहाँ गिनती के साथ मिल रहा है, सबकुछ बाहर आ रहा है, डिजाईन के लिए, जो डिजायनर के बारे में कहता है यहाँ ये सृष्टिकर्ता के बारे में कहता है और मैं एक क्लिप दिखना चाहता हूँ, आपकी मूवी से जो बताती है कि कुछ वौज्ञानिक इसी निष्कर्ष पर आते हैं, वो तो नास्तिक हैं लेकिन वो परमेश्वर के बारे में ये वाक्य कह रहे हैं मैं चाहता हूँ कि इस पर बताइए, जरा इसे देखिए.

जरनी टुवर्ड क्रिएशन क्लिप से

याने हम इस तरह के निष्कर्ष पर आ सकते है कि पृथ्वी पर की ये सारी चीज़े केवल मनुष्य के लिए बनाई गई हैं/ तो आप बस ये कह सकते हैं कि ये कितना संजोग है/ या ये केवल एक मौका है/ लेकिन बहुत से astronomer को ये जवाब संतुष्ट करनेवाले नही दिखाई देते हैं/ उद्देश और मकसद के चिन्ह गलत नही समझे जा सकते हैं/

और यहाँ हम पृथ्वी के कारण को देखते हैं/ लेकिन कुछ astro-physicst इसे the entity कहते हैं, अब सुनिए की कुछ महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पृथ्वी के आरंभ के बारे में क्या कहते हैं/

physist paul Davies तो नास्तिक होने बाहर आए और ये मानते हैं कि physics तो अपने आप में बहुत है उत्तम और ingenious का product दिखाई देता है/ ये आगे ये भी कहते हैं, मेरे लिए ये सामर्थी सबूत हैं, कि इसके पीछे कुछ न कुछ चल रहा है/ और ऐसा लगता है कि किसी ने nature की संख्या को fine tune किया है/ और design रोमांचित करनेवाला है/

और फिर Arno Penzias के शब्द हैं/ जिन्हें physics में Noble prize मिला था, cosmic back ground radiation के लिए, ये कहते हैं कि estronomy एक अद्भुत घटना की और लेकर जाती है/ ऐसा संसार जो शून्य से बनाया गया है/ और इसके लिए बहुत है बेचिदा संतुलन चाहिए था/ कि उसके कारण ऐसी स्थिति आएं जिससे जीवन बन सके,.और उसके लिए बुनियाद की बात जिसे कोई आलौकिक योजना कहेगा,

और अंत में stephen Hawking कहते हैं कि ये बताना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा, कि संसार केवल इसी तरह से क्यों शुरू हुआ है/ उस परमेश्वर के काम के बिना जिसने हमारे जैसे लोग बनाने की योजना बनाई हो/

जिस व्यक्ति ने इस संसार को अस्तित्व में लाया/ वो स्वामी हो, सारे space, Time, Matter और energy का/ और ये व्यक्ति इतना सामर्थी होना चाहिए कि अपनी इच्छा से space और time के dimention को बना सके/ और खास कर fine तूने करे cosmic characteristic के उस न बताए गए नंबर को, अब तक 200 से भी ज्यादा छिपे हुए हैं/ इन सारे जाने हुए parameter को एक साथ आने की संभावना तो 10 का 10 से 215 बार गुना करने के बराबर है/ इसकी संभावना तो इतनी छोटी है, कि इसकी संख्या के बारे में कहा जाए तो ये असंभव है/ और ये संभावना तो और भी ज्यादा घटती जा रही है/ हर ने वैज्ञानिक खोज के साथ/

इतनी उत्तम desizn बताती है कि ये entity तो कोई व्यक्ति होगा, जिसमे अद्भुत रचनात्मकता है, बुद्धि, सामर्थ है, सुधि और प्रेम है/ कि मनुष्य की श्रमता से बहुत ही बढकर है/ उसने milky way गैलेक्सी को fine tune किया है/ solor system को, और पृथ्वी ग्रह को, की इसका आत्मिक जीवन शारीरिक जीवन में दिखता जाएं, एक छोटी जगह के लिए, एक छोटे काल के लिए/ जो हमारे timeline पर है/ अब/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू जब ये मूवी बनाई गई, याने लगभग 200 फाइन ट्यूनिंग गुण थे, इस संसार में, और अब ८५० गुना हैं, और यदि ये उस समय वैज्ञानिकों को विवश कर रहा था, कुछ साल पहले, तो फिर ८५० गुणों के बारे में क्या, ये किस की ओर दर्शाता है/ प्रभु पर विश्वास करने के लिए.

डॉक्टर ह्यू रॉस: डॉक्टर ह्यू रॉस: जी सबूत तो हर महीने लाखों गुना मजबूत होता है/ आधुनिक astronomical खोज के साथ/ याने हम दोष निकालेवाले जैसे कह सकते हैं/ यदि हम आज सहमत नही हैं/ तो एक महिना रुकीए, सबूत इतने मजबूत होते जाएगे, तो हमें गंभीरता से सत्य के दावों को देखना होगा/ जो यीशु मसीह ने किए थे/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: दोस्तों इस सीरिज में हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं, हम आपको बताने की कोशीश कर रहे हैं, कि बाइबल में ये सत्य है, ये संसार में पवित्र किताब है, जो इस तरह की जानकारी देती है, अगले हफ्ते हम आगे देखेगे, सूरज, चाँद और तारों के बारे में आपको ज्यादा जानकरी देगे, ये इतनी अद्भुत है, आप इसे जरुर देखना चाहेगे, आशा करता हूँ कि आप फिर जुड़ जाएगे.

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI